बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

अर्थशास्त्र की परिभाषाएं, प्रकृति और क्षेत्र

(Definitions, Natures and Scope of Economics)

अर्थशास्त्र (Economics) अर्थ

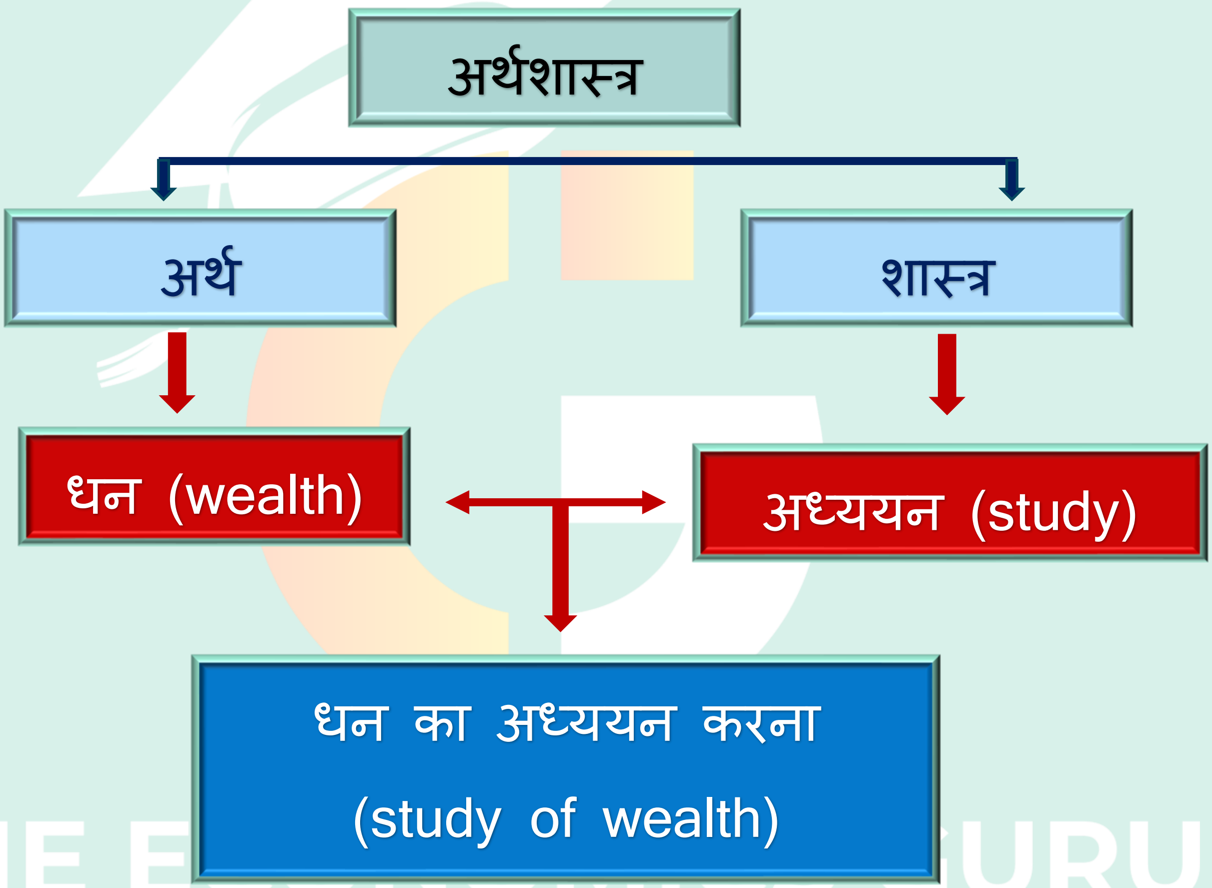

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

प्रो. एडम स्मिथ के अनुसार, ***"धन के विज्ञान को अर्थशास्त्र कहते है"।***

एडम स्मिथ की पुस्तक '***Wealth of Nation***' (1776) के अनुसार।

(नोट: एडम स्मिथ को अर्थशास्त्र का पिता कहा जाता है।)

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

अर्थशास्त्र की परिभाषायें

अर्थशास्त्र की परिभाषा को लेकर अर्थशास्त्रियों के विचारों में भिन्नता है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र को अलग अलग रूपों में परिभाषित किया है। अर्थशास्त्र की विभिन्न परिभाषाओं को निम्नांकित पांच वर्गों में बांटा जा सकता है-

1. धन संबंधी परिभाषा (स्मिथ, वॉकर सीनियर, जी एस मिल आदि)
2. कल्याण संबंधी परिभाषाएं (मार्शल, पीगू, कैनन विवरेज आदि)
3. दुर्लभता या सीमित साधन संबंधी परिभाषा (रॉबिन्सन)
4. आवश्यकता विहीनता संबंधी परिभाषा (जे के मेहता)
5. आधुनिक या विकास केंद्रित परिभाषा (सैम्युल्सन)

धन संबंधी परिभाषा (Wealth related Definitions)

सभी परिभाषाएं अर्थशास्त्र को धन का विज्ञान मानती है। जिनमें **एडम स्मिथ** प्रमुख थे और उनके विचारों का समर्थन *वाकर, सीनियर, जे एस मिल* आदि अर्थशास्त्रियों ने किया।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

एडम स्मिथ ने अपनी पुस्तक ***'राष्ट्रों के धन के स्वरूप तथा कारणों की खोज (An enquiry into the nature and causes of Wealth of Nations '*** में अर्थशास्त्र की परिभाषा दिया, **"अर्थशास्त्र वह अध्ययन है जो राष्ट्रों के धन के स्वभाव एवं इनके कारणों की जांच करता है"।**

अर्थशास्त्रियों के अनुसार, धन ही अर्थशास्त्र की विशेष सामग्री का केंद्र बिंदु है और व्यक्तिगत समृद्धि से ही राष्ट्रीय धन एवं संपत्ति का विकास और संभव है।

कल्याण संबंधी परिभाषाएं (Welfare related Definitions)

धन केंद्रित परिभाषाओं को कुछ अर्थशास्त्रियों ने नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया और इसे मानव कल्याण संबंधी परिभाषा के रूप में व्याख्या किया।

प्रो. मार्शल ने अपनी पुस्तक **"प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स Principle of Economics"** में अर्थशास्त्र को **धन के अध्ययन के स्थान पर मानव कल्याण** के अध्ययन पर ज़ोर दिया।

जिसके समर्थन में ***प्रो. पीगू, कैनन, विवरेज*** आदि ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रो. मार्शल के अनुसार, **"अर्थशास्त्र जीवन के साधारण व्यवसाय में मनुष्यमात्र का अध्ययन करता है। वह व्यक्तिगत तथा सामाजिक कार्य के उस अंश की परीक्षा करता है जो कल्याण के भौतिक साधनों की प्राप्ति तथा उपयोग से घनिष्ठ से संबंधित थे"।**

मार्शल की परिभाषा की विशेषताएँ-

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

- अर्थशास्त्र वास्तविक मनुष्य की क्रियाओं का अध्ययन है
- अर्थशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है ।
- अर्थशास्त्र साधारण मनुष्य की आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन है।
- अर्थशास्त्र का संबंध मानव के भौतिक कल्याण में वृद्धि के उपायों से है।

दुर्लभता अथवा सीमित साधन संबंधी परिभाषा (Scarcity related Definitions)

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सुविख्यात अर्थशास्त्री प्रो**. लियोनल रॉबिन्स** ने अपनी पुस्तक ***'An Essay on the Nature and Significance of Economic Science'*** में अर्थशास्त्र को पूर्णतः नया दृष्टिकोण प्रदान किया।

रॉबिन्स के अनुसार **"अर्थशास्त्र वह विज्ञान है, जो लक्ष्यों और वैकल्पिक प्रयोग वाले सीमित साधनों की मध्य पारस्परिक संबंध के रूप में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है"।**

रॉबिन्स की परिभाषा की विशेषताएँ-

- मनुष्य की आवश्यकता अनंत हैं।
- साधन सीमित हैं।
- साधनों के वैकल्पिक प्रयोग होते हैं।
- आवश्यकताओं की तीव्रता में भी अंतर होता है।
- अर्थशास्त्र में आर्थिक समस्याओं का अध्ययन होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

आवश्यकता- विहीनता संबंधी परिभाषा (Want lessness based definitions)

प्रो. जेके मेहता ने अर्थशास्त्र की परिभाषा पश्चिमी अर्थशास्त्रियों से बिल्कुल भिन्न आधार पर थीं। इनकी परिभाषा भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के विचार पर आधारित है। प्राचीन ऋषि मुनियों तथा विद्वानों ने आवश्यकता को न्यूनतम करने पर बल दिया। इन्हीं आदर्शों से प्रेरित होकर प्रो. मेहता ने अर्थशास्त्र को आवश्यकताओं की संतुष्ट के बजाय उनके अंत करने से जोड़ते हैं।

प्रो. जे के मेहता की परिभाषा के अनुसार, **"अर्थशास्त्र एक विज्ञान है जिसमें मानव की उस व्यवहार का अध्ययन किया जाता है जिससे आवश्यकता विहीनता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके"।**

विशेषताएं

- आवश्यकता को कम करके अंतत: उसे समाप्त करने पर ज़ोर दिया गया है।
- अधिकतम सुख की प्राप्ति आवश्यकता विहीनता की अवस्था में ही संभव है।

आधुनिक या विकास केंद्रित परिभाष (Growth Cantered Definitions)

1932 के बाद अर्थशास्त्र की विषय सामग्री में बहुत अधिक विकास होने पर यह महसूस किया कि रॉबिन्स की परिभाषा में अर्थशास्त्र के विषय क्षेत्र को पूर्ण रूप से प्रकट नहीं किया है। अत: **प्रो. सैम्युल्सन ने अर्थशास्त्र को साधनों के वितरण तथा आर्थिक विकास दोनों को जोड़ कर परिभाषित किया।**

ऐसे ही परिभाषा को **विकास केंद्रित परिभाषा** के नाम से जाना गया।

जिससे **प्रो. सैम्युल्सन** को बाद में **नोबेल पुरस्कार** की प्राप्ति हुई।

प्रो. सैम्युल्सन के अनुसार, "अर्थशास्त्र इस बात का अध्ययन है कि व्यक्ति और समाज मुद्रा की सहायता से अथवा के बिना किस प्रकार अनेक प्रयोग में आ सकने वाले उत्पादन के विभिन्न संसाधनों का चुनाव एक समयावधि में विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में और इनको समाज के विभिन्न व्यक्तियों और समूहों के उपभोग हेतु वर्तमान या भविष्य में बांटने के लिए करते हैं"।

अर्थशास्त्र के क्षेत्र (Scope of Economics)

प्रोफेसर कीन्स ने अर्थशास्त्र के क्षेत्र के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण बातों को बताया-

- अर्थशास्त्र की विषय सामग्री
- हर सत्र की प्रकृति
- अर्थशास्त्र की सीमाएं

अर्थशास्त्र की विषय सामग्री

अर्थशास्त्र की विशेष सामग्री के अंतर्गत उन सभी अधिकरियों का अध्ययन किया जाता है जो असीमित आवश्यकता तथा सीमित साधनों की परिधि में की जाती है। इसके अंतर्गत की विषय सामग्री को पांच भागों में बांटा जाता है-

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

- **उपभोग**
- **उत्पादन**
- **विनिमय**
- **वितरण**
- **राजस्व**

अर्थशास्त्र की प्रकृति

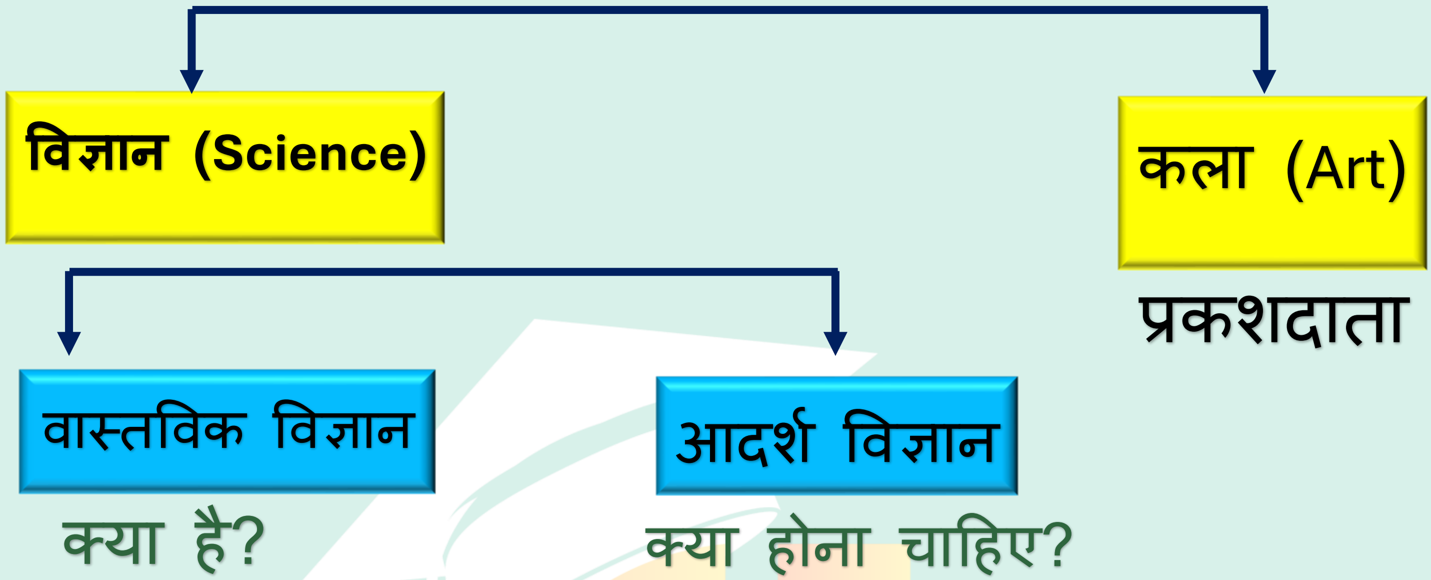

अर्थशास्त्र विज्ञान है

विज्ञान का अर्थ:

किसी विषय के नियमबद्ध व क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहते हैं।

अर्थशास्त्र भी एक विज्ञान है क्योंकि इसके अंतर्गत-

- विषय का क्रमबद्ध विवेचन होता है।
- सिद्धांतों का वर्णन होता है
- सिद्धांतों का वर्णन होता है
- सार्वभौमिक सत्य का प्रतिपादन किया गया है
- मुद्रा का मापदंड तय होता है।

इसके अंतर्गत अन्य विज्ञानों की भांति अनुमान लगाया जाता है।

विज्ञान के आधार पर अर्थशास्त्र को दो वर्गों में बांटा गया है-

वास्तविक विज्ञान या आदर्श विज्ञान

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र एक वास्तविक विज्ञान है।

वास्तुविज्ञान केवल कारण एवं परिणाम के संबंध को स्थापित करता है।

इस प्रकार अर्थशास्त्र में भी **आर्थिक समस्याओं के कारणों और परिणामों के बीच संबंध स्थापित करते हुए कुछ नियमों का प्रतिपादन किया गया।** जिसके अन्तर्गत उपभोग, उत्पादन, विनिमय वितरण और राजस्व से संबंधित कारण और संबंधों का आधार तय किया गया है हैं।

अर्थशास्त्र एक आदर्श विज्ञान है।

आदर्श विज्ञान के अंतर्गत ***क्या होना चाहिए*** ? का अध्ययन किया जाता है।

आदर्श विज्ञान के गुणों के आधार पर ***प्रो. रॉबिन्स*** ने भी अर्थशास्त्र को आदर्श अर्थशास्त्र के रूप में कहा है। उनके अंतर्गत **मनुष्य एक विचारवान प्राणी हैं जो किसी समस्या का क्या कारण है, यह समझते हुए उस समस्या को कैसे दूर किया जाता है अर्थात समस्याओं का समाधान क्या होना चाहिए, इस बात को भी बताता है।**

अर्थशास्त्र एक कला है।

किसी कार्य को सर्वोत्तम रूप से संपादित करना ही कला है।

अर्थशास्त्र भी एक कला है क्योंकि-

- अर्थशास्त्र सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों है।
- अर्थशास्त्र की समस्याओं का अध्ययन व्यावहारिक जीवन को ध्यान में रखकर किया जाता है।
- अधिकांश समस्या भी शुद्ध आर्थिक समस्याएं ही होती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र की सीमाएं

- अर्थशास्त्र में केवल मानवीय क्रियाएं का अध्ययन किया जाता है।
- अर्थशास्त्र से सामान्य मनुष्यों की क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है।
- अर्थशास्त्र केवल ऐसे व्यक्तियों का अध्ययन करता है जो समाज के सदस्य हो।
- अर्थशास्त्र मनुष्य की केवल धन संबंधी आर्थिक क्रियाएं का अध्ययन करता है, अनार्थिक क्रियाओं का नहीं।

LIKE AND ***SHARE*** THE CLASS LINK

SUBSCRIBE THE YOUTUBE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

WhatsApp/ 7830010683

FOLLOW ME ON *INSTAGRAM* / @dhali_sir

FOLLOW ME ON *FACEBOOK* / Commerce Valley

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE